BSES

26 मार्च को अर्थ आवर पर बीएसईएस की अपीलः

इस शनिवार रात 8:30 से 9:30 बजे तक स्वेच्छा से ऑफ रखें अपने घरों की लाइट्स

नई दिल्लीः 24 मार्च। बीएसईएस ने दक्षिण, पश्चिम, मध्य और पूर्वी दिल्ली में रहने वाले 1.80 करोड़ लोगों से अपील है कि वे इस शनिवार दुनियाभर में मनाए जा रहे अर्थ आवर में शामिल हों, और रात 8.30 से 9.30 बजे के बीच स्वेच्छा से अपने घरों व कार्यस्थलों की गैरजरूरी लाइट्स व बिजली उपकरण बंद रखें। बीएसईएस खुद भी अपने 400 से अधिक ऑफिसों में अर्थ आवर के दौरान गैर जरूरी लाइट्स को ऑफ रखेगी।

विशेषज्ञों का कहना है कि चौंकाने वाले जलवायु परिवर्तन ने धरती मां के लिए संकट को और बढ़ा दिया है। अचानक से बदलने वाला मौसम, अप्रत्याशित तापमान, आदि इसी संकट की ओर इशारा करते हैं। ऐसे में, जरूरी है कि हम अपव्ययी आदतों को छोड़कर ऐसी जीवनशैली अपनाएं, जो धरती के अनुकूल हो। अर्थ आवर इसी दिशा में एक कदम है।

अर्थ आवर, डब्लूडब्लूएफ (वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर/ वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड) का सालाना कार्यक्रम है, जिसके तहत दुनियाभर के लोगों से अपील की जाती है कि वे जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए, अपने घरों और कार्यस्थलों पर गैरजरूरी लाइट्स और बिजली चालित उपकरणों को तय समय के दौरान बंद रखें।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, बीएसईएस ने अपने क्षेत्र के 1.8 करोड़ निवासियों से अपील की है कि वे धरती मां और आने वाली पीढ़ियों के लिए सही कदम उठाएं। लोग, प्राकृतिक दुनिया की रक्षा कर बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

टिकाऊ विकास को प्रोत्साहन देने के लिए बीएसईस पहले से ही अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है। इस कड़ी में बीएसईएस इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन लगाने के साथ साथ बैटरी स्टोरेज, डिमांड साइड मेनेजमेंट की दिशा में भी काम कर रही है। ऊर्जा संरक्षण को व्यवहर के स्तर पर अपनाने की दिशा में भी कई सारी पहल की गई हैं। बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं से यह भी अनुरोध करती है कि समावेशी विकास के लिए रूफटॉप सौर ऊर्जा को अपनाएं। पर्यावरण के प्रति जागरूक कॉरपोरेट नागरिक के नाते बीएसईएस ने अपने उपभोक्ताओं से पेपर बिल्स की जगह, ई–बिल्स अपनाने की अपील भी की है।

भारत में डबलूडब्लूएफ के प्रवक्ता का कहना है कि यह वैश्विक स्तर पर अर्थ आवर का 16 वां वर्ष है। एक देश के एक शहर से सांकेतिक स्तर पर शुरू हुआ यह सफर आज न सिर्फ 190 देशों, बल्कि अंतरिक्ष स्टेशन तक भी पहुंच चुका है। बीएसईएस इस आंदोलन का लंबे समय से समर्थन कर रही है। इस बात के लिए हम बीएसईएस के आभारी हैं कि वह हर साल अपने उपभोक्ताओं तक अर्थ आवर का संदेश पहुंचाती है। निस्संदेह, साथ मिलकर हम बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

दरअसल, अर्थ आवर, बेहतर जीवन की दिशा में उठाया गया कदम है। यह सिर्फ एक घंटे का मसला नहीं होना चाहिए, बल्कि हमें अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में इसे शामिल करना होगा। जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर धरती मां के प्रति भी हमारी कुछ जिम्मेदारी बनती है। अर्थ आवर जैसे छोटे–छोटे प्रयासों से हम बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

अर्थ आवर ऐसे बदलावों की तरह है, जिन पर लोग आसानी से अमल कर सकते हैं। बात सिर्फ एक घंटे तक बिजली बंद रखने की नहीं है, बल्कि इससे कहीं आगे की सोच रखने का मामला है। हममें से हर किसी के पास बदलाव लाने की क्षमता है। हमें वह लक्ष्य पाने की दिशा में काम करना चाहिए, जिस दिन अर्थ आवर की जरूरत ही न पड़े।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।